आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 48 अंक 04 (प्रति रविवार) इंदौर, 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

शहर में 4 फ्लाईओवर का लोकार्पण

सीएम बोले- कुछ अधूरे शुरू किए, काम होता रहेगा, यह नया तरीका

इंदौर। सोमवार को इंदौर को एक साथ चार फ्लाईओवर मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भंवरकुआं, फूटी कोठी फ्लाईओवर के साथ खजराना और लवकुश चौराहे के फ्लाईओवर की एक-एक भुजा का एक साथ लोकार्पण किया। सीएम ने कहा, कुछ ब्रिज अधूरे हैं, काम होता रहेगा, यह लोकार्पण का नया तरीका है। हमने थोड़ा सा बदलाव किया है। चारों फ्लाईओवर शुरू होने से 7 लाख से अधिक लोगों का आना-जाना आसान होगा। यहां से गुजरने वालों को जाम और सिग्नल से राहत मिलेगी। सभी ब्रिज को इंदौर विकास प्राधिकरण ने तैयार कराया है।

विजयवर्गीय बोले- इंदौर को 25 पुल और देंगे सीएम

उद्घाटन समारोह के मंच से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, आने वाले समय में मुख्यमंत्री इस शहर को 25 पुल और देंगे, यह मैं घोषणा करता हूं। उन्होंने सीएम से कहा, इंदौर में दो समस्या है- पहली ट्रैफिक और दूसरी नशा। नशे करने वाले लोग इस शहर को बदनाम करते हैं। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा, हम कई साल से यातायात के लिए जूझ रहे थे, आज चार सौगात मुख्यमंत्री देने आए हैं।

मंत्री विजयवर्गीय ने समझाया

बंजारा समाज के लोगों को बीजेपी नगर अध्यक्ष गौरव रणदीवे और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने समझाया। उन्होंने कहा, इस चौराहे का नाम संत सेवालाल ही होगा, फूटी कोठी नहीं होगा।

सीएम के सामने रखीं तीन मांग

स्वामी गोपाल चैतन्य महाराज ने सीएम के सामने तीन मांगें रखीं। महाराष्ट्र में बंजारा समाज को 3.3प्र. आरक्षण है, एमपी में भी हो। धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों के लिए कानून बनाया जाए। महाराष्ट्र में गाय माता को राजमाता का दर्जा है, एमपी में भी दिया जाए।

सितंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.49 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। *खराब मौसम और सब्जियों के महंगे होने से सितंबर महीने में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.49प्रश पर पहुंच गई है। अगस्त में ये 3.65प्रश पर थी। यह 9 महीने के उच्चतम स्तर पर है।*

वहीं, खाद्य महंगाई दर 5.66प्रश से बढ़कर 9.24प्रश हो गई है। शहरी महंगाई भी महीने-दर-महीने आधार पर 3.14प्रश से बढ़कर 5.05प्रश हो गई है। ग्रामीण महंगाई 4.16प्रश से बढ़कर 5.87प्रश पर पहुंच गई है। महंगाई के बास्केट में लगभग 50प्रश योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई महीने-दर-महीने आधार पर 5.66प्रश से बढ़कर 9.24प्रश हो गई है। वहीं एक साल पहले अगस्त 2023 में खाद्य महंगाई 6.62प्रश रही थी। यानी, सालाना आधार पर भी ये बढ़ी है।

महंगाई कैसे प्रभावित करती है?-महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6प्रश है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?-महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं।

सीपाई उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

आतिशी, सीएम बनने के बाद मिलीं प्रधानमंत्री से

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दिल्ली का मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद प्रधानमंत्री के साथ यह उनकी पहली मुलाकात थी। बैठक का एजेंडा अभी साफ नहीं हुआ है। उत्पाद शुल्क घोटाला मामले में जेल से रिहा होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान किया था। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने के बाद ही आतिशी ने मुख्यमंत्री का पद संभाला। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने पिछले महीने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और वह राष्ट्रीय राजधानी में इस शीर्ष पद पर पहुंचने वाली सभी तीन महिलाओं में सबसे कम उम्र की हैं। वह स्वतंत्र भारत में मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने वाली 17वीं महिला भी बन गयी हैं। वैसे वरिष्ठ आप नेता आतिशी का मुख्यमंत्री के रूप में संक्षिप्त कार्यकाल होगा क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव फरवरी में होने वाले हैं।

संपादकीय

दिखावे और गैर? जरूरी खर्च से बचें बचत पर? ध्यान दें

आज के दौर में दिखावे पर खर्च करना निम्न और मध्यम वर्ग में बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया है। दिखावे के लिए कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में गैर जरूरी खर्च लोग दिखावे के लिए कर रहे हैं। हवाई जहाज और ट्रेनों में आसानी से टिकट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। मध्यवर्ग के लोग हैसियत नहीं होने के बाद भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। रेलवे में एसी पर यात्रा करना आज-कल दिखावे के रूप में निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों में किया जा रहा है। यात्रा के दौरान टिकट से कई गुना ज्यादा पैसा ब्रांडेड सामग्री को खरीदने और खाने-पीने की चीजों में खर्च किया जा रहा है। एयरपोर्ट में कई गुने दामों में बिकने वाले सामान पर काफी पैसा खर्च किया जा रहा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के बीच में ब्रांडेड महंगी चीजों पर खर्च करना स्टेटस सिंबल बन गया है। वह भी उनके सामने जिन्हें वह जानते भी नहीं हैं। सोचने वाली बात है, कि इस तरह की फिजूलखर्ची के पीछे युवा वर्ग बड़ी तेजी से पैसे खर्च कर रहा है। छोटी-छोटी बचत से बड़ी रकम को बचाया जा सकता है। ऑनलाइन खरीदी की लत युवा वर्ग को बड़ी तेजी के साथ लगती चली जा रही है। मोबाइल फोन पर नई-नई चीज देखकर उन्हें खरीदने की आदत युवा वर्ग में नशे की तरह बढ़ती चली जा रही है। ऑनलाइन खरीदे गए सामान उनके लिए कितने उपयोगी हैं, कितने गैरजरूरी हैं, इसकी समझ भी उन्हें नहीं है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि कर्ज लेकर खर्च करना आज-कल के युवाओं का स्टेटस सिंबल बन गया है। आज की युवा पीढ़ी यह भूल गई कि उनके अपने परिवार के बुजुर्ग अपने समय में हमेशा जरूरत की चीजों पर ध्यान केंद्रित करते थे। वही चीज खरीदते थे, जो उनके लिए उपयोगी और जरूरी होती थीं। खर्चे में वो कभी कोई कमी नहीं करते थे, लेकिन जरुरत के लिहाज से ही खरीदी होती थी। बगैर जरुरत की चीजों में पैसा नहीं फेंका जाता था। अपनी आय के अनुरूप जरूरी खर्चों के बाद बचत करने पर विशेष रूप से ध्यान देते थे। यही नहीं हमारे बुजुर्ग कभी भी किसी के सामने अपनी आर्थिक स्थिति का भान होने नहीं देते थे। इन सब बातों के विपरीत आज का युवा वर्ग दिखावे की मानसिकता के चलते खर्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। बजाय इसके युवा वर्ग को प्राथमिकता के अनुसार ही खर्च करना चाहिए। दिखावे के लिए ब्रांडेड महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने से हमारी सामाजिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आता है। उल्टे आज का युवा वर्ग कर्ज के जाल में फंसता जा रहा है। स्टेटस सिंबल को लेकर वह मानसिक रूप से हमेशा परेशान रहता है। युवाओं में बचत करने की कोई प्रवृत्ति नहीं है। आय और व्यय के बीच में संतुलन नहीं होने से बचत नहीं होती और इस कारण जब आकस्मिक कोई जरुरी खर्च करने की परिस्थिति सामने आती है तब यह युवा वर्ग बहुत परेशान हो जाता है। ऐसे में उसे कुछ सूझता नहीं है और कर्ज पर कर्ज लेकर अपनी जरुरतों को पूरा करने पर विवश हो जाता है। ऐसा करने से उसकी आगे की जिंदगी भी परेशानी में उलझती चली जाती है। नेक सलाह तो यही है कि गैरजरुरी खर्चों से युवा पीढ़ी को बचना चाहिए और बचत की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि स्टेटस सिंबल के चक्कर में किए जाने वाले खर्च से चंद मिनट तो सुख मिल सकता है, लेकिन लंबे समय के लिए यह किसी काम का नहीं होता है। इसलिए इससे बचना चाहिए और हर बात को स्टेटस सिंबल से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। युवा मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को स्टेटस सिंबल को लेकर एक क्षणिक संतोष तो हो सकता है, लेकिन इससे आगे फिर उनको परेशानी और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है। युवाओं के साथ ही निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को यह समझने की जरूरत है।

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर अत्याचार, सख्त कार्रवाई की दरकार

ललित गर्ग

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख श्री मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें।

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है।

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है।

बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है।

वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवींद्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है।

हिन्दू धर्म भारत की संस्कृति एवं आत्मा है। हिन्दू धर्म संयम, त्याग और बलिदान का धर्म है। इसमें हमेशा दूसरे धर्मों को सम्मान देने का काम किया है। हिन्दू धर्म उदारता, प्रेम, आपसी सद्भाव और सहनशीलता पर आधारित धर्म है। हिन्दू धर्म की सहिष्णुता को कमजोर मानकर हिन्दू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य लगातार होता रहा है। वैसे तो प्रत्येक धर्म की अपनी मान्यताएं होती हैं, किन्तु विकृत मानसिकता वाले लोगों ने हिन्दू धर्म को मध्यकाल से ही नीचा दिखाने की कोशिशें कीं। भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपने ही देश में हिन्दू होने पर 'जजिया' यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। देश बंटवारे के समय पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से ज्यादा हिन्दू थे लेकिन आज उनकी आबादी 2 प्रतिशत भी नहीं रही और भारत में मुसलमानों की आबादी 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत नहीं होती। यह हिन्दू उदारता का ही परिणाम है। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे? कब तक हिन्दू शक्तिसम्पन्न होकर भी निर्बल बना रहेगा? इन सवालों के जबाव तलाशने होंगे वर्ना हिन्दुओं को अस्तित्वहीन करने की कोशिशें कामयाब होती रहेगी।

दीपावली पर कचरा गाड़ियां बढ़ाने की तैयारी में निगम

अतिरिक्त निकलने वाले कचरे का भी होगा समुचित निपटान

इंदौर। देश के सबसे बड़े त्यौहार दीपावली पर घरों से निकलने वाले अतिरिक्त कचरा को उठाने और प्लांट तक लाने के लिए निगम अतिरिक्त कचरा गाड़ी चलाने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि इसके लिए कचरा गाड़ियों में अतिरिक्त व्यवस्था भी की गई है। यह भी सामने आया है कि कचरे को लोगों से ही अलग-अलग कर कर देने के लिए भी कहा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार दीपावली पर हर घर में सफाई होती है इस दौरान अतिरिक्त कचरा भी निकलता है। इस दौरान घरों से निकलने वाले कचरे की संपूर्ण शहर में अगर मंत्र जोड़ी जाए तो यह करीब 14 किलो प्रतिदिन हो जाती है। इतनी अधिक मात्रा में कचरे को निपटाना करने के लिए छात्र की घरों से एकत्र करने के लिए भी अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता होती है। वैसे भी जल्द ही स्वच्छता का सर्वेक्षण शुरू होने वाला है। इसमें हवा लाने के लिए एक बार फिर निगम लगभग सभी उपाय कर रहा है।

जानकारी अनुसार दीपावली पर हर घर से अतिरिक्त कचरा निकलता है प्रोग्राम इसमें सूखे कचरे की मात्रा अधिक और नील कचरे की कम होती है। इस सूखे कचरे को हर घर से एकत्र करने के लिए निगम करीब 200 से 300 अतिरिक्त कचरा गाड़ियां दौड़ने की तैयारी में है। यह भी कोशिश की जा रही है कि वर्तमान कचरा गाड़ियों को अतिरिक्त राउंड लगवा कर भी घरों से कचरा एकत्र किया जाए। इसके लिए जल्द ही एक प्लानिंग भी तैयार कर लागू की जाएगी। हालांकि दशहरा होने के बाद अब दीपावली के लिए समय बहुत काम बचा है। निगम सूत्रों के मानें तो एक-दो दिन में ही अतिरिक्त कचरे के संग्रहण के लिए योजना लागू की जाएगी।

सफाई का अतिरिक्त फायदा स्वच्छता सर्वे में भी दिखेगा-दीपावली पर अतिरिक्त सफाई करवाने के लिए लगाए जाने वाले कचरा गाड़ियां और मानव श्रम का फायदा निगम को जल्द ही होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण में भी सामने आएगा। इसी का फायदा उठाते हुए निगम एक तीर से दो निशाने करने की कोशिश में है। निगम अधिकारियों की कोशिश है कि अधिक से अधिक गाड़ियां और मानव श्रम लगाकर शहर को स्वच्छ और साफ किया जाए।

कचरा गाड़ियों में लगेंगे अतिरिक्त बॉक्स

अलग-अलग तरह का कचरा सेपरेट रखने के लिए कचरा गाड़ियों में अतिरिक्त बॉक्स भी लगाए जाएंगे। बताया जा रहा है कि कल 6 प्रकार के बॉक्स कचरा गाड़ियों में लगाए जाने के लिए तैयार हो चुके हैं। इन्हें आज या कल ही कचरा गाड़ियों में इंस्टॉल भी कर दिया जाएगा। इसके बाद यह कचरा गाड़ियां सड़कों पर दौड़ लगाने के लिए तैयार हो जाएंगी। बताया जा रहा है कि न सिर्फ अतिरिक्त कचरा गाड़ियां बल्कि अतिरिक्त अमला भी मैदान में उतरने की निगम तैयारी कर रहा है। इसका फायदा स्वच्छता सर्वेक्षण में भी सामने आने का अनुमान है।

विश्व आवास दिवस पर गंभीर नदी में चलाया स्वच्छता अभियान

इंदौर। भेरूलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महू की 9 एमपी बटालियन एनसीसी इंदौर के कैडेट्स द्वारा कमान अधिकारी कर्नल मोहन तिवारी तथा प्राचार्य डॉ प्रवीण ओझा के मार्गदर्शन में विश्व आवास दिवस के अंतर्गत गंभीर नदी के किनारे पर ग्राम गवली पलासिया के नागरिकों के साथ सफाई अभियान चलाया।

9 एमपी बटालियन एनसीसी इंदौर के कमान अधिकारी कर्नल मोहन तिवारी तथा प्राचार्य डॉ प्रवीण ओझा ने बताया कि प्रति वर्षअक्टूबर के पहले सोमवार को मनाया जाने वाला विश्व आवास दिवस, टिकाऊ शहरीकरण के महत्व और सभी के लिए पर्याप्त आवास के अधिकार पर प्रकाश डालता है। यह बढ़ते शहरों, गरीबी, असमानता और पर्यावरण क्षरण की चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करता है। यह दिन सरकारों और समुदायों को लचीले, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल आवास बनाने की दिशा में काम करने की याद दिलाता है, यह सुनिश्चित करता है कि हर व्यक्ति के पास सुरक्षित, किफायती आवास और स्वच्छ रहने का वातावरण हो।इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ.संजय सोहनी के मार्गदर्शन में गंभीर नदी के किनारे पर गहन सफाई अभियान चलाया। कैडेट्स ने नदी के किनारे पर नागरिकों के सहयोग से गाद निकाली।

महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष एडवोकेट निलेश पाटीदार तथा विधायक प्रतिनिधि महेश यादव ने एनसीसी कैडेट्स की इस पहल की प्रशंसा की। विश्व आवास दिवस पर गंभीर नदी में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत बटालियन के 47 कैडेटस ने भाग लिया।

इंडेक्स नर्सिंग कॉलेज के विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम में राजदान ने कहा

कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय

इंदौर। इंडेक्स नर्सिंग कॉलेज ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया, जिसका विषय था कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मालवांचल विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर, डॉ. रामगुलाम राजदान उपस्थित रहे।इंडेक्स नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल और कार्यक्रम की आयोजक, डॉ. स्मृति जी. सॉलोमन ने डॉ. रामगुलाम राजदान का स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. रामगुलाम राजदान ने कहा कि कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समर्थन की आवश्यकता आज अधिक से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नर्सों की भूमिका को भी रेखांकित किया।इंडेक्स नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. स्मृति जी. सॉलोमन ने इस अवसर पर, प्रतिभागियों ने कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति पूर्वाग्रह को कम करने, सहायता प्राप्त करने के महत्व, और एक सहायक कार्य वातावरण बनाने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम के आयोजक सचिव, डॉ. नितिन चिचोलकर, मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर, ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा का महत्व बताया।

अब किसानों की फार्मर आईडी बनाएगी सरकार

फार्मर रजिस्ट्री में बदलाव होने पर ऑटोमेटिक अपडेट होगी जानकारी

इंदौर। जिले में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में फॉर्मर रजिस्ट्री की शुरूआत की गई है। इस प्रणाली के तहत प्रत्येक किसान का एक विशिष्ट किसान फॉर्मर आईडी बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य किसान की पहचान और जानकारी को सुरक्षित रखना है। फॉर्मर रजिस्ट्री क्रियान्वयन अभियान को आगामी 30 नवंबर तक पूर्ण किया जाना है, जिससे दिसंबर से पीएम किसान योजना का लाभ केवल फॉर्मर आईडी के माध्यम से ही किसानों को मिल सकेगा। साथ ही भविष्य में शासन की अन्य विभागीय योजनाओं का

क्रियान्वयन पारदर्शिता के साथ हो सकेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि हितग्राहियों की फार्मर आईडी प्राथमिकता के आधार पर जनरेट की जाएगी। प्रत्येक खातेदार के खसरा हिस्सा, मोबाइल नंबर, आधार संख्या, ई-केवायसी विवरण फार्मर रजिस्ट्री में दर्ज की जाएगी। भू-अभिलेख में परिवर्तन होने पर फार्मर रजिस्ट्री में जानकारी स्वतः ही अपडेट हो जाएगी। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण में प्रत्येक खसरे में दर्ज फसल की जानकारी समेकित रूप से उपलब्ध होगी। कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भूधारी द्वारा नियत शुल्क का भुगतान कर फार्मर रजिस्ट्री बनवायी जा सकती है। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण के लिए चिन्हांकित स्थानीय युवा द्वारा फार्मर रजिस्ट्री बनाए जाने का कार्य अभियान के रूप में किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय युवकों को राशि का भुगतान आधार से लिंक बैंक खाता में किया जाएगा। प्रति फार्मर आईडी बनाए जाने के लिए राशि 10 रुपए स्थानीय युवा को प्रदान की जाएगी। भारत सरकार द्वारा प्रदत्त बकेट के अलावा प्रत्येक अतिरिक्त खाता जोड़ने के लिए पांच रुपए स्थानीय युवक को प्रदान की जाएगी।

भाजपा ने तेज की उपचुनाव की तैयारियां बुधनी, श्योपुर और बीना को करोड़ों की सौगात

भोपाल। मप्र में तीन सीटों पर विधानसभा उपचुनावों को लेकर संगठन और सरकार की तैयारी तेज हो गई है। कांग्रेस समेत भाजपा नेताओं के दौरे से लेकर बैठकें भी जारी है। विधानसभा उपचुनावी क्षेत्र बुधनी, श्योपुर और बीना में शासन ने सरकारी खजाने का पिटारा भी खोल दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां राज्य स्तरीय कार्यम में उन्होंने 3 हजार करोड़ से अधिक की सौगातों की घोषणा की। तो वहीं मध्य प्रदेश राज्य परिसीमन आयोग बनाने की बात करते हुए बीना को नया जिला बनाए जाने की घोषणा को टाल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में जो नए जिले और संभाग बनेंगे उनमें बीना जिला भी शामिल होगा। हालांकि बीना से खिमलासा, मंडी बामौरा सहित सारे इलाके को लेकर उन्होंने घोषणाओं की झड़ी लगा दी। कुल मिलाकर नया जिला छोड़कर बीना विधायक निर्मला सप्रे ने जो मांगा वह सब बीना को मिल गया।

उपचुनावी क्षेत्रों में करोड़ों की सौगात को लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता फरहाना खान ने कहा कि भाजपा का विकास सिर्फ चुनावी है। सालों से बदहाल क्षेत्रों की सुध नहीं ली गई। यह भी सिर्फ खोखले वादे हैं जो कभी पूरे नहीं होंगे। यह भी कहा कि बीते विधानसभा और लोकसभा में किए अधूरे चुनावी वादों से ठगी जनता इस बार इनके झांसे में नहीं आने वाली। उधर, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शुभम शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस विकास को भी राजनीतिक चश्मे से देखती है। जबकि पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार

के बेहतर भविष्य के लिए लगातार काम कर रही है। कांग्रेस के इस प्रकार के नकारात्मक बयान यह साबित करते हैं कि चुनाव के पहले ही विपक्ष ने इन तीनों सीटों पर अपनी हार स्वीकार कर ली है।

कांग्रेस ने शुरू की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया

प्रदेश की दो विधानसभा सीटों बुदनी और विजयपुर में उप चुनाव होना है। इन विधानसभा क्षेत्रों के लिए पार्टी प्रत्याशी चयन समितियों का पहले ही गठन कर चुकी है। अब ये समितियां संबंधित विधानसभा क्षत्रों में पहुंचकर प्रत्याशी चयन के लिए कांग्रेसजनों से रायशुमारी कर रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेंगी। रायशुमारी 14 एवं 15 अक्टूबर को होगी। बुदनी के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल रायशुमारी कर योग्य प्रत्याशी चयन की जिम्मेदारी सौंपी है। ये 14-15 अक्टूबर को दो दिवसीय बुदनी प्रवास पर रहकर वहां जिला, ब्लॉक, मण्डल, सेक्टर और बूथ के कांग्रेसजनों, नेताओं से योग्य प्रत्याशी चयन के लिए रायशुमारी करेंगे। 14 अक्टूबर को लाडकुई ब्लॉक में, भैरुंदा, गोपालपुर में और दूसरे दिन 15 अक्टूबर को शाहगंज, बुदनी और रेहटी ब्लॉक में कांग्रेसजनों के साथ बैठकें करेंगे।

बीना में दी थी करोड़ों की सौगात

बीना कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ह्यादव ने बीना से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों के खातों में 332.43 करोड़ की राशि का अंतरण किया। इसके पहले उन्होंने प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाडली बहनों के खातों में 1574 करोड़ की राशि ट्रांसफर की है। इसके अलावा सीएम डॉ. यादव ने 215.18 करोड़ से अधिक के करीब 22 मार्गों व निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। सीएम मोहन यादव ने बीना में राज्य स्तरीय सम्मेलन में कई घोषणाएं की। इसमें युवाओं-बेरोजगारों के लिए आईटी पार्क बुंदेलखंड में बनेगा, बीना में पॉलिटेक्निक कॉलेज खुलेगा, पेट्रोकेमिकल्स कोर्स संचालित होंगे, बीना में नया आईटीआई खोला जाएगा, बीना सिंचाई परियोजना में छूटे सारे 151 गांव इसमें जोड़े जाएंगे, बीना में 30 करोड़ की लागत से 100 बिस्तर की नई अस्पताल भवन का निर्माण, बीना नगर पालिका का विस्तार होगा और 5 करोड़ का नया भवन बनाया जाएगा, 40 करोड़ के बीना बायपास को भी मंजूरी समेत दर्जनों सौगात दीं। एक दिन पहले श्योपुर विधानसभा में मुख्यमंत्री यादव ने वीरपुर कृषि उपज मंडी परिसर में संयुक्त वन प्रबंधन समितियों का प्रशिक्षण और जागरूकता सम्मेलन को संबोधित किया था। सीएम ने यहां 57 करोड़ 42 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसके अलावा घोषणाओं की झड़ी लगाते हुए वीरपुर में नंदी गांव से गवघाट तक चंबल नदी पेंटुल पुल निर्माण, तहसील वीरपुर में श्रेत्र पाचो से गवघाट तक 6 करोड़ की लागत से 4 किमी की सडक़ की सौगात, बड़ा गांव से तेलीपुरा तक 1800 लाख की लागत से डबल सडक़, गांव पोलाहित से सुमरेला तक 3 किमी की 500 लाख की लागत से सीसी रोड, वीरपुर से धोरेक तक मिट्टी मुरम की रोड, शासकीय हाई स्कूल आरोदरी में नवीन भवन बनाया जाएगा। वीरपुर में कॉलेज खोला जाएगा। हीरापुर से गुदारिया तक मिट्टी पुरम रोड, अरनोद से दांगी बाबा तक निर्माण कार्य समेत कई सौगात दीं। इसके अलावा बुदनी विधानसभा के भैरूंदा में मुख्यमंत्री यादव और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने करोड़ रुपये की सौगात दी।

बीएचईएल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का संचालन करेगा खेल विभाग-मंत्री श्री सारंग

भोपाल सहित मध्यप्रदेश को मिलेगी बड़ी सौगात

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश ने सोमवार को बीएचईएल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बीएचईएल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का संचालन खेल विभाग के माध्यम से हो, इसकी प्राथमिक रूप रेखा तैयार की गई है। इसके लिये केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्रालय को प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिये गये हैं।

कॉम्प्लेक्स में लगभग सभी गेम्स-मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट, गोल्फ, बालीवॉल, बास्केटबॉल, टेनिस टेबल टेनिस, हॉकी, एथलेटिक्स, कब्बड़ी सहित लगभग सभी खेल हैं। कॉम्प्लेक्स और खेल सुविधाओं के उन्नयन से इसको और बेहतर बनाया जायेगा। यह शहर के बीचों बीच मध्यप्रदेश सहित भोपाल के रहवासियों और खेल प्रेमियों के लिये बड़ी सौगात होगी। इससे बीएचईएल टॉउनशिप के लोगों को तो फायदा मिलेगा ही साथ ही भोपाल के नागरिकों को भी इसका लाभ मिलेगा।

क्रिकेट मैदान के मापदण्ड पूरे-मंत्री श्री सारंग ने कहा कि क्रिकेट स्टेडियम का उन्नयन बीएचईएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा, तो क्रिकेट प्रतिभाओं को इसका लाभ मिलेगा। क्रिकेट के लिये मैदान के मापदण्डो पूरे हैं, बाकी स्टैण्ड आदि सुविधाओं का विस्तार करने के लिये फण्ड की व्यवस्था की जायेगी।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उन्नयन-मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन बीएचईएल के साथ खेल विभाग मिलकर करेगा। इससे कम खर्च में उन्नयन होगा और लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खेल विभाग के अंतर्गत आ जाये, इसका प्रस्ताव भेजा जा रहा है। इसके लिये सभी अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया है।

अच्छा खेल परिसर बने, यही प्रयास-मंत्री श्री सारंग ने कहा कि लगभग पौने 200 एकड़ जमीन पर यह कॉम्प्लेक्स बना है, इसके रख-रखाव का अभाव है। गोल्फ के लिये भी 33 एकड़ स्थान है। प्राथमिक रूप से लोकल मैनेजमेंट ने इसकी सहमति दी है। इसे जल्द ही खेल विभाग के अंतर्गत लाकर एक अच्छा खेल परिसर बनाया जायेगा, यही प्रयास है।

लोक सेवा, वंचितों की सेवा करने का सुअवसर-राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल से राजभवन में प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों ने की मुलाकात

***भोपाल।** राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोकसेवा पात्र, जरूरतमंदों और गरीबों की सेवा करने का सुअवसर है। उन्होंने डिप्टी कलेक्टरों से कहा कि 'लोकसेवा' शब्द का अर्थ गहराई से समझें। जनता की सेवा के भाव को अपने मन में सदैव सबसे ऊपर रखें। सेवाकाल में ईमानदारी और निष्ठा से काम करने में ही जीवन की सार्थकता है।*

राज्यपाल श्री पटेल नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय एकेडमी भोपाल में प्रशिक्षणाधीन राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अकादमी के महानिदेशक श्री जे.एन. कंसोटिया भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के ग़रीब कल्याण कार्यक्रमों को सफल बनाना लोक सेवकों की ज़िम्मेदारी है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराना उनका मूल कर्तव्य है। अपने सेवाकाल में हमेशा बड़े-बुजुर्गों, दिव्यांगों और वंचितों के प्रति सम्मान और आदर का भाव रखें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राज्य की सेवा करने के लिए प्रशासनिक तंत्र का अंग बनने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण से जुड़ी बातें, नियमों और अधिनियमों को बारीकी से सीखें। प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, चुनौतियों के अनुरूप समाधान का दृष्टिकोण अपनाए। उन्होंने प्रशासनिक अकादमी भोपाल द्वारा अधिकारियों को स्वच्छ और संवेदनशील लोक-सेवक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए सभी प्रशिक्षणार्थियों को बधाई भी दी।

जनजाति समुदाय के साथ संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखें

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश जनजातीय बहुल राज्य है। प्रदेश के समग्र विकास के लिए जनजाति वर्ग का विकास बहुत जरूरी है। प्रशिक्षु अधिकारी जनजाति समुदाय के प्रति हमेशा सरल, संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखें। उनके साथ आत्मीय, सीधा और जीवंत सम्पर्क बनाए। उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करने में अपना योगदान दें।

महानिदेशक नरोन्हा एकेडमी, भोपाल श्री जे.एन. कंसोटिया ने स्वागत उद्बोधन में राज्यपाल श्री पटेल को प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी।

राज्यपाल श्री पटेल का संचालक प्रशासनिक अकादमी श्री मुजीबुर्रहमान खान ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रशिक्षु अधिकारी सुश्री प्रियंका भलावी और श्री आशुतोष महादेवसिंह ठाकुर ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। विधि भारद्वाज ने आभार माना। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे।

नर्मदा और ताप्ती प्रदेश के साथ अन्य प्रदेश को भी संचित कर रही : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल। *मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश की प्रमुख नदियों का प्रदेश में मायका है। नर्मदा और तासी अपने मायके अर्थात मध्यप्रदेश को आनंदित और प्रफुल्लित करती ही है, साथ ही वे गुजरात को भी धन-धान्य से परिपूर्ण कर रही है। सोन नदी का उद्गम अमरकंटक से है, जो बिहार में गंगा से मिलती हैं और गंगा की धारा को समृद्ध करती है। मध्यप्रदेश से निकलने वाली चंबल नदी राजस्थान को जीवन प्रदान करती है यह नदियां मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी हैं।*

उन्होंने कहा कि जल संचय-जन भागीदारी कार्यक्रम के मकसद की प्राप्ति के लिए प्रदेश कदम से

कदम मिलाकर चलने को तैयार है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पानी के लिए गुजरात में समस्या रहती है और उनकी सहायता करना हम सब का कर्तव्य है।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षा जल संचयन को बढ़ाने और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम की पहल की थी। इसी कड़ी में सूरत में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, वरिष्ठ जन-प्रतिनिधि, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय तथा राज्यों के अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि महादेव ने गंगा को जटाओं में धारण कर और भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत धारण कर जल संरक्षण के महत्व को दिखाता।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर हैं। विश्व में भारत की साख स्थापित हुई है और दुनिया के सभी देश प्रधानमंत्री मोदी से मधुर और जीवंत संपर्क और संबंध बनाने के लिए आतुर रहते हैं। भारतीय सनातन संस्कृति में जल ही जीवन है का विचार सर्वमान्य है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश देश का पहला राज्य बना है, जहां नदी जोड़ो अभियान के तहत दो परियोजनाओं का क्रियान्वयन शुरु हो रहा है। मप्र और यूपी के बीच केन-बेतवा नदी जोड़ो अभियान और मध्यप्रदेश और राजस्थान के मध्य चंबल-पार्वती-काली सिंध लिंक परियोजनाएं शीघ्र ही मूर्त रूप लेंगी। सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश में करीब 3 हजार 500 गांव के 13 हजार से अधिक लोगों ने संकल्प लेकर जल गंगा अभियान के अंतर्गत जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए 10 हजार से अधिक पोखर, तालाब, कुएं, बावड़ी का जीर्णोद्धार किया।

वहीं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने नदी जोड़ो अभियान में मध्यप्रदेश द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नदियों के जोड़ने की परियोजना शीघ्र ही आरंभ होगी।

प्रदेश के 53 ई.एफ.ए. स्कूलों में कम्प्यूटर प्रयोग शालाएं

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का पाठ्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदेश के 53 एजुकेशन फॉर ऑल (ई.एफ.ए.) स्कूलों में कम्प्यूटर प्रयोग शालाएं आधुनिकतम एवं इंटरनेट फेसिलिटि सहित स्थापित की गई हैं। विद्यार्थियों को इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से कम्प्यूटर से जुड़ी तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। कम्प्यूटर प्रयोग शालाओं में न्यूनतम 40 से लेकर 100 कम्प्यूटर तक लगाये गये हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल प्रौद्योगिकी के जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, ऑनलाइन शिक्षण मंच और उपकरणों की उपलब्धता की सिफारिश की गई है। इन प्रयोगशालाओं का उपयोग विद्यार्थी स्कूल के समय के दौरान इस तकनीक को सीखने का प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयोगशालाओं का लाभ जन-सामान्य को भी सशुल्क सुविधा के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं के माध्यम से विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाएं एवं प्रशिक्षणों का आयोजन भी किया जा रहा है। इन प्रयोगशालाओं में शिक्षकों को डिजिटल तरीके से पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन देने का प्रशिक्षण भी दिलाया गया है।

अध्ययन सामग्री–छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अध्ययन सामग्री, जिसमें विगत वर्षों के प्रश्न-पत्र और अन्य जानकारी ओपन बोर्ड की वेबसाइट https://www.mpsos.nic.in/ पर अपलोड की गई है। ओपन स्कूल की कक्षा 10वीं में 11 और कक्षा 12वीं के पाठ्यक्रम में 18 विषय शामिल हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड और माइक्रोसॉफ्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा के संबंध में एमओयू किया है। माइक्रोसॉफ्ट प्रशिक्षण मॉडयूल्य उपलब्ध कराते हुए ई.एफ.ए. स्कूलों में प्रशिक्षण की व्यवस्था कर रहा है। प्रदेश के 53 चयनित शासकीय ईएफए स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी सिखाने में सहायक हो रहा है। यह पाठ्यक्रम एक विषय के रूप में 8वीं से 12वीं तक की कक्षाओं में प्रारंभ किया गया है। इसकी कुल अवधि 240 घंटे है। पिछले वर्ष कक्षा 8वीं में 619, कक्षा 9वीं में 1303 और कक्षा 10वीं में 995 विद्यार्थियों ने इस विषय में अध्ययन प्राप्त किया है।

भाजपा ने कांग्रेस विधायक जंडेल के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के नाम एक ज्ञापन भोपाल पुलिस आयुक्त कार्यालय में देकर श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू सिंह जंडेल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की है। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी के नाम सौंपे ज्ञापन में कहा है कि कांग्रेस विधायक बाबू सिंह जंडेल ने जानबूझकर, सोच-समझकर भगवान शंकर के करोड़ों भक्तों के साथ हिंदू धर्म की समस्त मातृशक्ति की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में कहा है कि हिंदू धर्म की करोड़ों माताएं-बहनें भगवान शंकर का व्रत, पूजन व स्तुति करती हैं। बाबू सिंह जंडेल का चरित्र महिलाओं के प्रति पूर्व में भी निंदनीय रहा है। 18 मार्च 2023 को हेलमेट चेकिंग के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस की महिला उप निरीक्षक को गाली देने का मामला आया, इस मामले में प्रकरण दर्ज है। बाबू सिंह जंडेल भगवान शंकर तथा समस्त मातृशक्ति के विरूद्ध घोर अपमानजनक टिप्पणी की है, जिससे करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस मुख्यालय को दिए गए ज्ञापन में श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू सिंह जंडेल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधि मंडल में पूर्व सांसद आलोक संजर, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक उमाकांत दीक्षित, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

मुख्यमंत्री की समीक्षा से अफसरों की उड़ी नींद

सीएम हेल्पलाइन में भोपाल की 21 हजार शिकायतें लंबित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 अक्टूबर को सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करेंगे। भोपाल में 21 हजार से ज्यादा शिकायतें लंबित हैं। इनमें अकेले नगर निगम की ही 5 हजार शिकायतें हैं। ऐसे में अब पूरा फोकस निराकरण पर है। इसे लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह अफसरों की बैठक भी ले चुके हैं। वहीं, जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह को विभागवार समीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है ताकि शिकायतों का आंकड़ा कम हो सके। मंगलवार के बाद बुधवार को भी अफसरों की मीटिंग हुई।

पुरानी शिकायतों पर ज्यादा जोर–भोपाल में 100 दिन पुरानी शिकायतों को निपटाने पर ज्यादा जोर है। कलेक्टर सिंह ने भी स्पष्ट कहा है कि ऐसी शिकायतों को अनावश्यक रूप से पेंडिंग न रखें। वहीं, 50 दिन पुरानी शिकायतें भी निपटाई जा रही हैं। भोपाल में हर मंगलवार को जनसुनवाई होती है, जिसमें औसत 100 आवेदन आते हैं। भोपाल में होने वाली जनसुनवाई की शिकायतों को भी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किया जा रहा है इसलिए आंकड़ा बढ़ा हुआ है।

10 दिन में आधी शिकायतों के निराकरण का टॉरगेट

अगले 10 दिनों में आधी शिकायतों के निराकरण का टॉरगेट है। ताकि, सीएम के सामने जब पेंडिंग शिकायतों को लेकर प्रजेंटेशन हो तो भोपाल की स्थिति बेहतर रहे। वर्तमान में प्रदेश की 46 वीं रैंकिंग है। इसे सुधारने पर भी फोकस है।

ये शिकायतें सबसे ज्यादा

नगर निगम की ज्यादातर शिकायतें स्ट्रीट डॉग्स, अतिक्रमण, सीवेज, आवारा पशु, स्ट्रीट लाइट, बिल्डिंग परमिशन, सफाई से जुड़ी है।

हर सप्ताह महापौर मालती राय समीक्षा जरूर करती हैं, लेकिन नई शिकायतों से आंकड़ा बढ़ा हुआ रहता है। राजस्व विभाग की नामांकन, सीमांकन, बंटाकन समेत जमीन से जुड़े मसलों को लेकर शिकायतें हैं।

जब ऐश्वर्या राय ने अमेरिकी को दिया था मुंहतोड़ जवाब

ऐश्वर्या राय भले ही इस वक्त अपनी निजी जिंदगी को लेकर खबरों में चल रही हैं लेकिन वो एक अच्छी इंडियन ये सभी जानते हैं। आज हम ये बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि एक बार विदेश में उन्होंने भारतीय संस्कृति का मजाक बनाए जाने पर जबरदस्त जवाब दिया था। अब ये वीडियो फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वो एक अंग्रेज के साथ बातचीत कर रही हैं। इस इंटरव्यू में विदेशी व्यक्ति ने इंडिया में लोगों को मां-बाप के साथ रहने को लेकर ताना मारा था। इस पर ऐश ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए बोलती बंद कर दी थी। अंग्रेज सवाल पूछता है, क्या आप अपने माता पिता के साथ रहती हैं, क्या ये सच है? क्या ये इंडिया में कॉमन है कि माता के साथ रहकर परेशानी का सामना करें? इस पर ऐश्वर्या राय ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। ऐश ने कहा कि, हां ये इंडिया में कॉमन है कि आप अपने माता पिता के साथ रहते हैं क्योंकि हमें उनके साथ डिनर करने के लिए अपॉइंटमेंट नहीं लेना पड़ता है। अब ऐश्वर्या राय का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसपर रिएक्शन दे रहे हैं।

रकुल प्रीत सिंह के साथ जिम में हुआ बड़ा हादसा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक्ट्रेस के साथ एक बड़ा हादसा हो गया है। इस हादसे में रकुल को गंभीर चोट लगी है जिसके बाद उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रकुल प्रीत सिंह के साथ ये हादसा जिम में वर्कआउट करते समय हुआ है। आपको बता दें कि वर्कआउट के दौरान एक्ट्रेस 80 किलो डेडलिफ्ट का सेशन कर रही थीं, लेकिन बिना बेल्ट डेडलिफ्ट करने की वजह से उनकी पीठ में चोट लग गई है।

ये नई नवेली दुल्हनें इस साल मनाएंगी पहला करवा चौथ

BOLLYWOOD UPDATE

इस साल करवा चौथ का त्योहार 20 अक्टूबर 2024 को मनाया जाने वाला है। इस दिन सभी सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। इस बार बॉलीवुड इंडस्ट्री से लेकर टीवी जगत की ऐसी कई सारी हसीनाएं हैं जो कि इस साल अपना पहला करवा चौथ का व्रत रखने वाली है।

सोनाक्षी सिंहा

सोनाक्षी सिंहा इस लिस्ट में सबसे पहला नाम सोनाक्षी सिन्हा का आता है। उन्होंने एक मुस्लिम परिवार में शादी की है और जहीर इकबाल के साथ में वह रहती हैं। दोनों की शादी 22 अप्रैल 2024 में हुई। लेकिन इसके बावजूद भी वह अपने माथे पर सिंदूर लगाती है। इस लिहाज से यह तो साफ हो जाता है कि वह भी इस बार करवा चौथ का अपना पहला व्रत जरूर रखने वाली है।

अदिति राव हैदरी

हीरामंडी वेब सीरीज से चर्चा में आई अदिति राव हैदरी ने कुछ वक्त पहले ही सिद्धार्थ के साथ में शादी की। भले ही एक्ट्रेस की यह दूसरी शादी है लेकिन सिद्धार्थ के साथ वह अपना पहला करवा चौथ मनाने जा रही है। बता दें कि अदिति वैसे तो मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं और उनके पति हिंदू हैं।

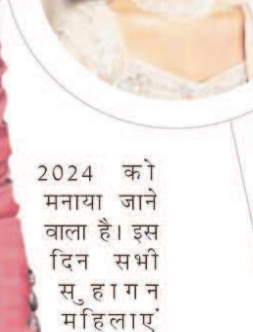

दिव्या अग्रवाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल की भी उनके लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड अपूर्व पड़गांवकर के साथ 20 फरवरी 2024 को शादी हुई थी। एक्ट्रेस का यह पहला करवा चौथ होने वाला है और उनका लुक देखने के लिए भी उनके फैंस काफी ज्यादा उत्साहित है।

कृति खरबंदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने पुलकित सम्राट के साथ 15 मार्च 2024 को शादी की थी। बता दे कि कृति खरबंदा का यह पहला करवा चौथ होने वाला है।

राधिका मर्चेंट

अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका मर्चेंट की अनंत अंबानी के साथ 12 जुलाई 2024 को शादी हुई थी। दोनों की शादी को अभी कुछ ही महीने हुए हैं। दोनों की शादी बहुत ही धूमधाम के साथ में हुई थी। लेकिन अब लोग भी राधिका के पहले करवा चौथ का लुक देखना चाहते हैं।

कभी अमिताभ बच्चन की समधन बनना चाहती थीं हेमा मालिनी

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी की उम्र भले ही 75 साल हो गई हो लेकिन वह अपनी खूबसूरती से आज भी लोगों को दीवाना बना देती हैं। कहते हैं कि हिंदी सिनेमा के लिजेंड्री एक्ट्र धर्मेंद्र शादीशुदा होने के बावजूद हेमा मालिनी की सुंदरता पर ही मर मिटे थे। बॉलीवुड में आने से पहले ही धर्मेंद्र की शादी प्रकाश कौर से हो चुकी थी लेकिन उनका दिल आया बेहद खूबसूरत एक्ट्रेस हेमामालिनी पर। दोनों ने एक साथ कई हिट फिल्मों में काम भी किया है और कब दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे, ये किसी को पता ही नहीं चला। वहीं धर्मेंद्र पहले से ही शादीशुदा और 6 बच्चों के पिता थे, ये बात हेमा मालिनी की मां को पसंद नहीं आ रही थी। उन्हें इस शादी पर एतराज था। उस वक्त हेमा बॉलीवुड की सबसे महंगी और लोकप्रिय एक्ट्रेस थीं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक समय पर हेमा मालिनी चाहती थी कि उनकी बेटी ईशा दोओल की शादी बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बेटे एक्टर अभिषेक बच्चन से हो जाए। कहा जाता है कि इस बात के लिए उन्होंने खुद अमिताभ बच्चन से बात भी की थी। लेकिन ईशा देओल को अभिषेक बच्चन पसंद नहीं थे। उस समय ईशा ये कहकर अभिषेक को ठुकरा दिया था कि वह उन्हें बड़े भाई की तरह मानती हैं। अभिषेक और ईशा देओल की फिल्में आपको बता दें कि ईशा देओल और अभिषेक बच्चन कई फिल्मों में एकसाथ काम कर चुके हैं जिनमें धूम, एलओसी-कारगिल, दस और युवा का नाम शामिल है। हालांकि दोनों की शादी की बातचीत एक दिन में ही खत्म हो गई थी क्योंकि ईशा देओल ने अपनी मां से साफ मना कर दिया था कि वह अभिषेक से शादी नहीं करना चाहती हैं। इसके बाद साल 2012 में ईशा ने अपने बॉयफ्रेंड भरत से शादी कर ली थी।

अगर रॉ में जासूस अफसर बनने का है सपना तो ऐसे करें तैयारी

भारत के साथ पूरे विश्व का हर वो नागरिक जो पढ़ा लिखा व जागरूक है वो भारत की खुफिया एजेंसी रॉ के बारे में जरूर जानता होगा। देश की रक्षा में इस संस्था का अपना अलग ही महत्व है। रॉ भारत की एक खुफिया एजेंसी है, जो देश से जुड़ी गुप्त जानकारी को लीक होने से रोकने के साथ विदेश से जानकारी हासिल करती है। कई युवाओं का यह ड्रीम है कि वे हर हाल में इस संस्था के साथ जुड़कर देश की सेवा करें। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि, आप रॉ के साथ कैसे जुड़ सकते हैं।

रॉ एजेंसी

रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) भारत की एक गुप्तचर संस्था है जिसका गठन भारत के पड़ोसी देशों पर निगरानी रखनें एवं देश की सुरक्षा से जुड़ी सभी खुफिया जानकारियों का पता लगाने के लिए किया गया है। रॉ खुफिया एजेंसी का मुख्यालय नई दिल्ली में है। रॉ का सिद्धांत धर्मो रक्षति रक्षित: है जिसका अर्थ है जो व्यक्ति धर्म की रक्षा करता है वह हमेशा सुरक्षित रहता है। इस खुफिया एजेंसी की तरह ही अभी तक रॉ का कानूनी दर्जा स्पष्ट नहीं है। साथ ही आप रॉ पर आरटीआई भी दाखिल नहीं कर सकते, क्योंकि यह देश की सुरक्षा का सवाल है। रॉ अपनी रिपोर्ट सीधे प्रधानमंत्री को भेजती है। इस एजेंसी में शामिल होने वाले सभी एजेंट की जानकारी को गुप्त रखा जाता है।

रॉ के कार्य

रॉ एजेंसी का कार्य मुख्य जानकारी इकट्ठा करना, आतंकवाद को रोकना और गुप्त ऑपरेशनों को अंजाम देना होता है।

रॉ एजेंट

अगर आप रॉ एजेंट बनना चाहते है तो जान लें कि इस एजेंसी की न तो कोई वेबसाइट है और न ही डायरेक्ट भर्ती निकलती है। इसके लिए आप डिप्टी फील्ड ऑफिसर, कैबिनेट सचिवालय और भारत सरकार की तरफ से निकलने वाले फार्म को भर सकते है। इसके अलावा आप नेशनल अकादमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन और एसएससी की एग्जाम देकर भी इस एजेंसी में जा सकते हैं। वहीं सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को भी रिसर्च एनालिसिस विंग के लिए चुना जाता है। सिविल सर्विस का कोर्स खत्म होते ही रॉ की टीम कैंपस रिक्रूटमेंट के लिए इस संस्था में आती है और कुछ मनोवैज्ञानिक परीक्षण के बाद उम्मीदवार को दो साल की ट्रेनिंग के लिए रखा जाता है और परफॉरमेंस को जांचने के बाद उन्हें इसका हिस्सा बनाया जाता है।

डिफेंस सर्विस से भी होता है सिलेक्शन

अगर आप डिफेंस सर्विस में हैं तो भी इस एजेंसी में जा सकते हैं। आप आर्म्ड फोर्सेज या सिविल सर्विस में कुछ साल नौकरी करने के बाद रॉ के लिए कोशिश कर सकते है। इसके अलावा आप इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के द्वारा भी रॉ में जा सकते है। आईबी से एसए या एसीआईओ के लिए सीधी भर्ती होती है।

रॉ में भर्ती होने का तरीका

रॉ में भर्ती होने का कोई भी सीधा तरीका नहीं है। इसका सबसे सीधा और अच्छा तरीका यूपीएससी की परीक्षा क्लियर कर, आईपीएस या आईएफएस पद पर कार्यरत हो जाये। रॉ में आईपीएस या आर्म्ड फोर्सेज के अधिकारी ही नियुक्त किये जाते है।

भारत में रॉ एजेंट बनने के लिए योग्यता

- उम्मीदवार भारत का नागरिक होना चाहिये।
- उम्मीदवार का किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक पास होना अनिवार्य है।
- आवेदक की अंग्रेजी भाषा में अच्छी पकड़ होनी चाहिये।
- उम्मीदवार को कंप्यूटर ऑपरेशन और कंप्यूटर भाषा का ज्ञान होना चाहिये।
- आवेदक का किसी भी प्रकार का आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिये।
- उम्मीदवार को किसी भी तरह के नशे की आदत न हो।
- आवेदक अविवाहित होना चाहिये।
- उम्मीदवार शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होना चाहिये।

डिग्री और डिप्लोमा कोर्स के बीच का अंतर

अक्सर स्टूडेंट्स इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि उन्हें कोई डिग्री कोर्स करना चाहिए या डिप्लोमा करना चाहिए। डिप्लोमा और डिग्री कोर्स में अंतर होता है। डिप्लोमा तथा डिग्री करने की समयावधि अलग-अलग होती है। डिग्री कोर्स 3 से 4 साल का होता है और डिप्लोमा कोर्स 1 से 2 साल का होता है। तो आइये जानते हैं कि डिग्री और डिप्लोमा में अंतर क्या होता है।

डिग्री और डिप्लोमा कोर्स का उद्देश्य भी अलग-अलग होता है। डिग्री कोर्स किसी भी विषय के बारे में विस्तार से ज्ञान देता है, डिग्री का पाठ्यक्रम इस तरह का होता है कि स्टूडेंट्स को रुचि वाले विषय का गहाराई से ज्ञान हो जाए। जिस विषय में छात्र को रुचि होती है जिसका वह गहन अध्ययन करना चाहता है उस विषय में डिग्री कोर्स कर सकता है। डिग्री कोर्स ही ज्यादातर जॉब्स के लिए मान्य होता है।

डिप्लोमा कोर्स में किसी विषय विशेष के बारे में कम समय में पढ़ाया जाता है डिप्लोमा में छात्र को किसी एक व्यवसाय या पेशे के बारे में जानकारी दी जाती है। डिप्लोमा के पाठ्यक्रम में व्यवसाय या पेशे से जुड़े विषय पर पढ़ाई पर कराई जाती है और ज्ञान ज्यादा दिया जाता है। डिप्लोमा में कुछ दिन जॉब वर्क या इंटर्नशिप भी कराई जाती है।

किसी विषय में मास्टर डिग्री, एम.फिल या पीएच.डी. करने के लिए स्नातक डिग्री की आवश्यता होती है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए डिग्री जरूरी है। जहां तक पेशेवर योग्यता की बात है तो डिग्री या डिप्लोमा से कोई खास फर्क नहीं पड़ता। डिप्लोमा या डिग्री कोर्स में दाखिला लेने से पहले संस्थान की प्रतिष्ठा तथा मान्यता की जांच कर लेनी चाहिए। इसके साथ ही संस्थान की शिक्षा व शिक्षकों के स्तर व सुविधाओं के बारे में भी जानकारी जुटा लेनी चाहिए। जिस विषय में आपकी रुचि हो उसी विषय में डिग्री या डिप्लोमा करना चाहिए।

डायनासोर से भी ज्यादा खतरनाक है ये पक्षी

इस पक्षी का नाम कैसोवेरी है। यह बहुत खतरनाक होता है और अपनी ताकत के लिए जाना जाता है। कैसोवेरी के पास तेज पंजे और तेज चोंच होती है, जिससे वह अपने शिकार को जल्दी पकड़ सकता है। यह अपने इलाके की रक्षा करता है और खतरा महसूस होते ही तुरंत हमला कर देता है। इसके हमले से इंसान को भी चोट लग सकती है या जान जा सकती है। तेज स्पीड और अचानक हमले की वजह से इसे डायनासोर से भी ज्यादा खतरनाक माना जाता है। इसलिए इसे सबसे खतरनाक पक्षियों में गिना जाता है।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में है नाम

दुनिया में कई प्रकार के पक्षी होते हैं, लेकिन कैसोवेरी एक ऐसा पक्षी है जिसे उसकी खतरनाक प्रवृत्ति के लिए जाना जाता है। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया का सबसे खतरनाक पक्षी माना गया है।

यहां पाया जाता है ये पक्षी

कैसोवेरी ज्यादातर ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी अफ्रीका के गिनी देश में पाया जाता है। इस पक्षी की खास पहचान इसकी गर्दन पर बने नीले रंग के धब्बे हैं, जिनसे इसे आसानी से पहचाना जा सकता है।

शारीरिक बनावट और खान-पान

मादा कैसोवेरी का वजन करीब 59 किलो तक हो सकता है, जबकि नर कैसोवेरी का वजन 34 किलो तक होता है। यह पक्षी पानी के पास रहना पसंद करता है। यह मछलियों को खाता है। तैरने में भी यह माहिर होता है।

दुनिया के सबसे खतरनाक पंजे

कैसोवेरी के पैरों में एक तेज और नुकीला पंजा होता है। पंजा इतना शक्तिशाली होता है कि यह किसी इंसान का पेट भी चीर सकता है। जब यह हमला करता है तो अपने इन्हीं पंजों का उपयोग करता है। आपको बता दें कि कैसोवेरी की आंखें बहुत तेज और डरावनी होती हैं। इसके सिर पर एक केस्कूय होता है, जो एक तरह का स्ट्रक्चर हिस्सा है। यह केस्कूय इसे चोट लगने से बचाता है और उसकी रक्षा करता है।

यह पक्षी स्वभाव से काफी हिंसक होता है। पुराने समय में लोग इसे उसके मांस और पंखों के लिए पालते थे, लेकिन इसके स्वभाव के कारण इसे खतरनाक माना जाता है।

सीएम हेल्पलाइन तथा लोकसेवा ग्यारंटी अधिनियम के लंबित प्रकरणों का शीघ्र होगा निराकरण

जिले की सड़कों की मरम्मत के लिए चलेगा अभियान : कलेक्टर आशीष सिंह ने ली अधिकारियों की बैठक

इन्दौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि अभियान चलाकर सीएम हेल्पलाइन तथा लोकसेवा ग्यारंटी अधिनियम के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाये। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये है कि इंदौर जिले की सड़कों की मरम्मत का कार्य भी अभियान चलाकर अतिशीघ्र पूरा किया जाये। इसके लिए उन्होंने दस दिन की समय-सीमा भी तय की है। उन्होंने निर्देश दिये है कि किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर खाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाये। उन्होंने निर्देश दिये है कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे कि किसानों को खाद के संबंध में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो।

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों के निराकरण(टीएल) की बैठक में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, श्रीमती ज्योति शर्मा, रोशन राय, राजेन्द्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने समय-सीमा के पत्रों, सीएम हेल्पलाइन तथा लोकसेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं संबंधी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाये। सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को अनिवार्य रूप से देखें। उसी दिन संबंधित आवेदक से चर्चा करें। निराकरण की प्रक्रिया शुरू कर दें। प्रकरणों के सकारात्मक निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने कहा कि लोकसेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों का निराकरण भी समय-सीमा में सुनिश्चित करें। आगामी दस दिनों में अभियान चलाकर लंबित सभी प्रकरणों को निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने साथ ही कहा कि 300 दिवस से अधिक के लंबित राजस्व प्रकरणों का भी शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि पटवारी अपने निर्धारित दिन निर्धारित पंचायत में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

उन्होंने बारिश के कारण खराब हुई सड़कों की मरम्मत के लिये भी अभियान चलाने के निर्देश सड़क निर्माण एजेंसियों को दिये। उन्होंने सड़कों की मरम्मत का कार्य भी आगामी 10 दिन में पूरा करने के निर्देश दिये। आशीष सिंह ने कहा कि मौसमी बीमारियों डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि बीमारियों के नियंत्रण के लिये भी प्रभावी उपाय किये जाये। जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर नियंत्रण के लिये गठित दलों को निर्देश दिये गए कि वे सभी आवंटित औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण का कार्य अतिशीघ्र पूरा कर लें।

पोर्टल अपडेशन के कारण

बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनने में आ रही परेशानी

बुजुर्ग एमपी ऑनलाइन और सरकारी अस्पतालों के काट रहे चक्कर

इंदौर। केंद्र सरकार ने 70 साल से अधिक के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड देने की घोषणा तो कर दी पर कार्ड बनना अभी शुरू नहीं हुए हैं। दो दिन के लिए बने, लेकिन फिर से सुविधा बंद हो गई। शहर के बुजुर्ग एमपी ऑनलाइन और सरकारी अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं। जिम्मेदारों का कहना है कि पोर्टल पर अपडेशन चल रहा है, जल्द ही यह सुविधा शुरू हो जाएगी।

सरकार ने 70 साल से अधिक उम्र के सभी पात्र बुजुर्गों के लिए इस साल आयुष्मान कार्ड देने की घोषणा की। इसके तहत बुजुर्गों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी। आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक राहुल चौकसे ने बताया कि पोर्टल पर बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने का विकल्प एक से दो दिन के लिए खुला था। कुछ कार्ड बने भी थे, लेकिन अभी पोर्टल में वह विकल्प बंद हो गया है। दो से तीन दिन जो कार्ड बने थे वह ट्रायल बेस पर बने थे। अभी डाटा अपडेशन का काम चल रहा है। बुजुर्ग परेशान हो जाएगा। एक बार ठीक से न हों, जल्द ही यह विकल्प शुरू प्रक्रिया चालू होने पर बुजुर्ग एमपी ऑनलाइन, सरकारी अस्पताल या आशा कार्यकर्ता के माध्यम से अपना कार्ड बनवा सकेंगे।

नारी शक्ति के सम्मान पर आधारित आठ पुस्तकों का विमोचन

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर एयरपोर्ट पर हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान द्वारा नारी शक्ति के सम्मान पर आधारित आठ पुस्तकों का विमोचन किया। इस अवसर पर राधेश्याम शर्मा, जवाहर मंगवानी, विनोद बिड़ला आदि उपस्थित थे। इसके पूर्व मुख्यमंत्री के इंदौर एयरपोर्ट पहुंचने पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया।

संभागायुक्त दीपक सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस में संभाग की प्रगति एवं कार्यों की जानकारी दी

पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता और आईजी अनुराग ने कानून व्यवस्था और सुरक्षा संबंधित प्रबंधों के बारे में बताया

इन्दौर। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता एवं पुलिस महा निदेशक सुधीर सक्सेना की विशेष उपस्थिति में प्रदेश के समस्त संभागायुक्त, पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर और पुलिस अधिकारीगण की बैठक आयोजित हुई। वीडियो कांफ्रेंस अंतर्गत आयोजित इस बैठक में कानून व्यवस्था की स्थिति, सुशासन, खाद एवं आदान की व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति का पर्यवेक्षण, उर्पाजन, अस्पतालों में आवश्यक व्यवस्था, विकास कार्यों एवं निवेश के प्रकरणों को सुगम बनाने संबंधित बिन्दुओं पर इन्दौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने विस्तृत जानकारी दी। संभागायुक्त सिंह ने संभाग में सोयाबीन उपार्जन के लिए की गई तैयारियों, रबी सीजन में उर्वरक की उपलब्ध के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने दीपावली पर्व के दौरान पटाखा बिक्री के लिए लाइसेंस की कार्रवाई और पटाखा विक्रय स्थल पर सुरक्षात्मक तथा फायर सेफ्टी के प्रबंधों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने संभाग के जिलों में शासकीय छात्रावासों और होस्टलों की मॉनिटरिंग और बेहतर प्रबंधों के लिए उठाए गए कदमों के संबंध में जानकारी दी। धार जिले में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से निराकरण की पहल के बारे में बताया। राजस्व अभियान के अंतर्गत किये गए प्रयासों और झाबुआ, बुरहानपुर और खंडवा जिले की उल्लेखनीय उपलब्धि की जानकारी देते हुए भू-अर्जन की कार्यवाही संबंधित संभाग में त्वरित गति से किये जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। संभाग के कई जिलों में शासकीय शिक्षकों के माध्यम से शासकीय विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की जेईई और नीट परीक्षा की तैयारियों के लिए कोचिंग संचालन के नवाचार की जानकारी दी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)